

༄༅། འོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ74429	ImageGroup:	I4CZ74431
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རྟ་མགྲིན་གསང་སྒྲུབ་ཀྱི་ཚོས་སྒོར་རྣམས་ཕྱོགས་གཅིག་ཏུ་བསྒྲིགས་པ། rta mgrin gsang sgrub kyi chos skor rnams phyogs gcig tu bsgrigs pa/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	4
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

2:061)

॥ इयमेयादलपायपलुयास्यो ॥

[illegible]

五

पुष्पक

2. 11. 7.

11. 11. 7.

100

Handwritten text in Devanagari script, likely a ledger or account book. The text is organized into columns and rows, with some entries underlined. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. The text is written on aged, slightly discolored paper.

38

				^१ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ^२ ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥					
--	--	--	--	---	--	--	--	--	--

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple lines of handwritten text in Devanagari script. The text is heavily faded and difficult to decipher. It appears to be a religious or philosophical text, possibly related to the Bhagavad Gita, given the context of the surrounding pages. The handwriting is dense and fills most of the page area.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple lines of handwritten text in Devanagari script. The text is highly faded and difficult to decipher. It appears to be a historical document or a religious text.]

उदय...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

50
100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥

7A

[illegible]

[illegible]

५३
५४
५५
५६

५३। ॥ अथ सम्यक् दृष्टिः ॥ सम्यक् दृष्टिः स्यात् ॥ सम्यक् दृष्टिः स्यात् ॥ सम्यक् दृष्टिः स्यात् ॥ सम्यक् दृष्टिः स्यात् ॥
५४। ॥ अथ सम्यक् चिन्ता ॥ सम्यक् चिन्ता स्यात् ॥ सम्यक् चिन्ता स्यात् ॥ सम्यक् चिन्ता स्यात् ॥ सम्यक् चिन्ता स्यात् ॥
५५। ॥ अथ सम्यक् वक्तव्यं ॥ सम्यक् वक्तव्यं स्यात् ॥ सम्यक् वक्तव्यं स्यात् ॥ सम्यक् वक्तव्यं स्यात् ॥ सम्यक् वक्तव्यं स्यात् ॥
५६। ॥ अथ सम्यक् कर्तव्यं ॥ सम्यक् कर्तव्यं स्यात् ॥ सम्यक् कर्तव्यं स्यात् ॥ सम्यक् कर्तव्यं स्यात् ॥ सम्यक् कर्तव्यं स्यात् ॥

५७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

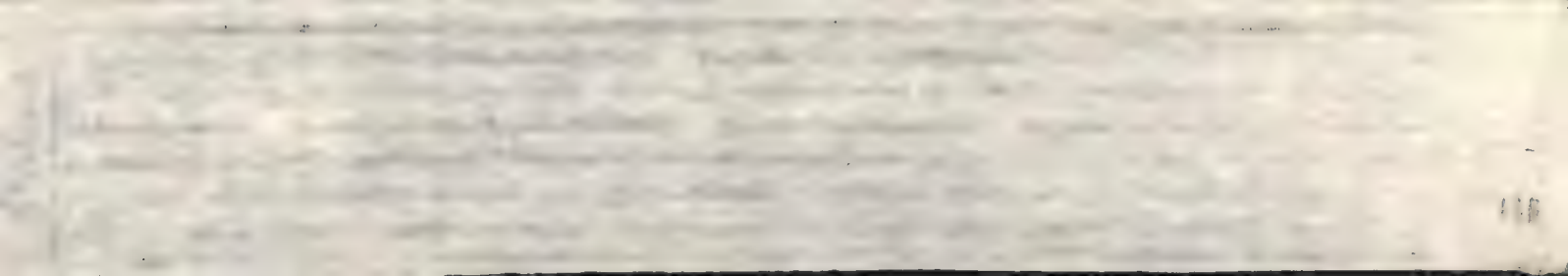
[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of Sanskrit script from the previous page.]

Handwritten marginal notes in Devanagari script, likely a commentary or index, running vertically along the left edge of the page.

1. ॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥
॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥
॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥
॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥
॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥
॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥
॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥ शिवसंज्ञायाः प्रथमाः ॥

15A



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

७७७।

विवाहात् सन्ध्यां कृत्वा कृत्वा कृत्वा

विवाहात् सन्ध्यां कृत्वा कृत्वा कृत्वा

विवाहात् सन्ध्यां कृत्वा कृत्वा कृत्वा

विवाहात् सन्ध्यां कृत्वा कृत्वा कृत्वा

विवाहात् सन्ध्यां कृत्वा कृत्वा कृत्वा

विवाहात् सन्ध्यां कृत्वा कृत्वा कृत्वा

विवाहात् सन्ध्यां कृत्वा कृत्वा कृत्वा

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is organized into several lines, with some lines starting with a vertical line on the left, possibly indicating a new entry or section. The script is cursive and somewhat faded. The text appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical record or a legal document. The lines are separated by horizontal lines, and there are some markings that look like dates or numbers at the beginning of some lines.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षि ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे भद्रा ॥ युयुत्सु उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥
 भवति युद्धमबह ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे भद्रा ॥ युयुत्सु उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥
 भवति युद्धमबह ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे भद्रा ॥ युयुत्सु उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥
 भवति युद्धमबह ॥ ३ ॥

1974

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in a rectangular box, likely a signature or title, rendered in a cursive script. The text is illegible due to the image quality.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तस्मात्तु त्वम् ।
 शिष्यश्चाहमेवमब्रवीत्प्रसादात्तु मे ।
 कुरुक्षेत्रे युधामन्युः प्रसीदतां मुने ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसे ।
 मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 बाणैश्चरितवान्द्रुपदो वीराकुलजे ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1950年10月15日

५४७३ भाग्य चर्या अथिहिनैदः। यत्र भयानकं शक्तिः दृष्टात्मानं प्रत्यक्षं दृष्टुं न सक्तः। विष्णोर्भावात्तन्मयाः। तद्भवति तदा तदा

[Faint handwritten text across the bottom margin]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीकृष्णे नमः ॥ श्रीनारायणे नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीसुभाषिते नमः ॥ श्रीवैद्यसेनाय नमः ॥ श्रीचक्रवर्तये नमः ॥ श्रीलोकेश्वरे नमः ॥ श्रीपद्मे नमः ॥ श्रीसूर्याय नमः ॥ श्रीवायुदेवताय नमः ॥ श्रीअग्निदेवताय नमः ॥ श्रीजलदेवताय नमः ॥ श्रीवायुदेवताय नमः ॥ श्रीअग्निदेवताय नमः ॥ श्रीजलदेवताय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

卷之五

[illegible]

1991 12 25 12:00 PM 12 25 12:00 PM 12 25 12:00 PM

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a list or index of items, possibly related to a library or collection.)

[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

1. The first part of the document is a list of names and titles, including "The Hon. Mr. Justice" and "The Hon. Mr. Justice".

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

[illegible]

१. अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।
२. श्रीगणेशाय नमः ।
३. श्रीविष्णवे नमः ।
४. श्रीशिवाय नमः ।
५. श्रीब्रह्माय नमः ।
६. श्रीनारायणाय नमः ।
७. श्रीरामाय नमः ।
८. श्रीकृष्णाय नमः ।
९. श्रीभक्त्याय नमः ।
१०. श्रीज्ञानाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



2297

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

अथ दशमोऽध्यायः । अथ दशमोऽध्यायः । अथ दशमोऽध्यायः ।

विष्णुदत्तस्य नाम भक्तिसूत्रम् । विष्णुदत्तस्य नाम भक्तिसूत्रम् । विष्णुदत्तस्य नाम भक्तिसूत्रम् । विष्णुदत्तस्य नाम भक्तिसूत्रम् । विष्णुदत्तस्य नाम भक्तिसूत्रम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

100
[Illegible handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 10 lines.]

५२
५
५
५

ॐ

समस्त भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु

सर्व भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु

सर्व भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु
सर्व भूतानां प्रभु

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

1990年12月15日

24. 11. 1941

五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

... 1995 ...

॥ पञ्चमः अथ चतुर्थः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

2015年12月31日

[illegible][illegible]

21/9/2019

१७७७

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之五
 五言古詩
 五言律詩
 五言絕句
 七言古詩
 七言律詩
 七言絕句
 詞
 曲
 雜著

...

卷之四

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ अथ श्रीसुत उवाच ॥
 ॥ ब्रह्मा विष्णु महेश्वर इति त्रिमूर्तिर्यत्र
 ॥ सृष्टिं रक्षति च विधायैव हि सर्वदा ॥
 ॥ एतन्मया कृतं यत्किंचित्सकलम् ॥
 ॥ तद्वर्णनं श्रोतुं योगीन्द्रोपदिशते ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ २७ ॥ ॥ अथैवमस्मिन्महापुरुषेऽप्युपनिषत्प्रवृत्तिर्वाच्यते ॥ ॥ अथैवमस्मिन्महापुरुषेऽप्युपनिषत्प्रवृत्तिर्वाच्यते ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
अभ्युत्थानां मामका पандаवोऽप्यमरावताः ॥
मया दृष्टाः सर्वे संवत्सरे कुरुक्षेत्रे समवेता ॥

॥ २०१ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥

5A

ॐ

इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥

॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ १ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ २ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ ३ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ ४ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ ५ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ ६ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ ७ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ ८ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ ९ ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि
॥ १० ॥ अथ कुरुष्वन्मया प्रोक्तं भवद्भक्त्यैव हि

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य भारत ॥
 कृतं कर्म तस्मै तस्मै तस्मै तस्मै तस्मै ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
मया मया युधिष्ठिरः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

SAVED

1950-1951

...
 ...
 ...
 ...
 ...

6)

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

民國七年五月廿三日

14A

[illegible]

五言古詩

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

15A

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of Sanskrit script.]

[illegible]

68

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]

[illegible]

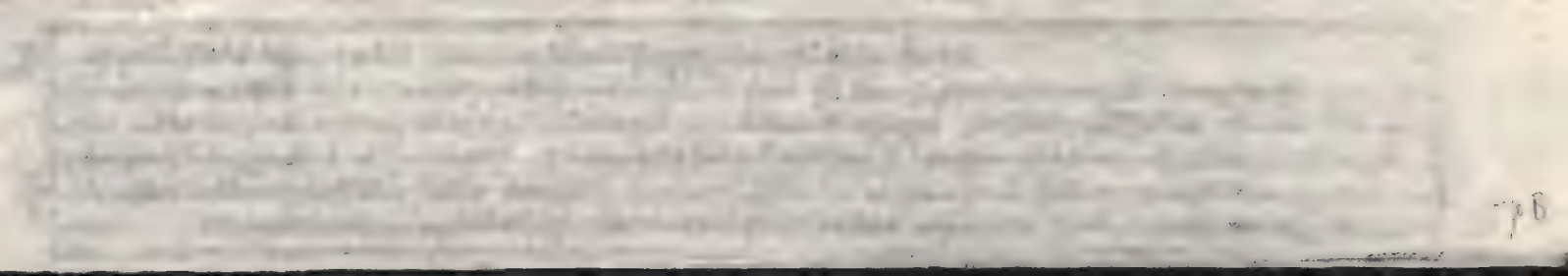
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
यद्यदा श्रद्धया योगयोगं कुरुते मनुजः ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ २ ॥
यद्यदा कुरुते योगं योगं योगं योगं योगं ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ ३ ॥
यद्यदा कुरुते योगं योगं योगं योगं योगं ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ ४ ॥
यद्यदा कुरुते योगं योगं योगं योगं योगं ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ ५ ॥
यद्यदा कुरुते योगं योगं योगं योगं योगं ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ ६ ॥
यद्यदा कुरुते योगं योगं योगं योगं योगं ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ ७ ॥
यद्यदा कुरुते योगं योगं योगं योगं योगं ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ ८ ॥
यद्यदा कुरुते योगं योगं योगं योगं योगं ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ ९ ॥
यद्यदा कुरुते योगं योगं योगं योगं योगं ।
तदा तदा योगो भवति विश्वतः परम् ॥ १० ॥

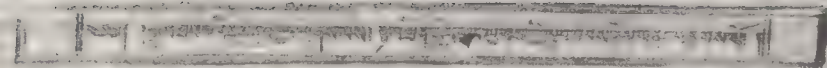
[illegible]

新刊

五

[illegible]





[illegible]

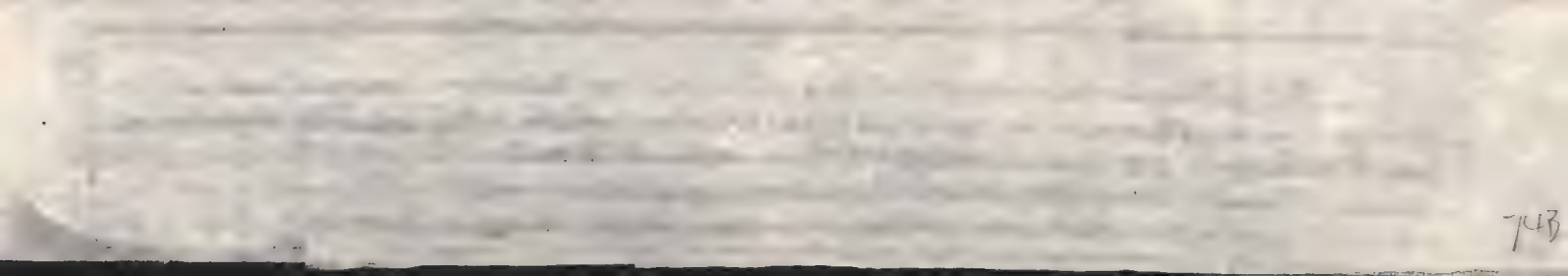
[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



743

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच ।

[Faint handwritten text across the bottom margin]

[illegible]

[Faint handwritten text across the bottom of the page]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]



॥ अथ श्रुत्वा मुनिः प्रवृत्तवान् ॥ अथ श्रुत्वा मुनिः प्रवृत्तवान् ॥ अथ श्रुत्वा मुनिः प्रवृत्तवान् ॥ अथ श्रुत्वा मुनिः प्रवृत्तवान् ॥ अथ श्रुत्वा मुनिः प्रवृत्तवान् ॥

[illegible][illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[Faint handwritten text across the bottom margin]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । त्र्यम्बकं यजामहे सुक्तं कृष्णार्चनम् ।
 वसुधैव कुटुम्बकम् । इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

153

॥ दशमस्कन्धः ॥ १० ॥ ॥ अथ दशमस्कन्धोक्तं ॥ ॥ अथ दशमस्कन्धोक्तं ॥ ॥ अथ दशमस्कन्धोक्तं ॥ ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ पञ्चमः स्कन्धः । अथ पञ्चमः स्कन्धः । अथ पञ्चमः स्कन्धः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीभक्तिसूत्रम् । इति सूत्रम् । भक्त्या योग्यं कर्म तदात्मनः प्रसादो भक्तिरिति सूत्रम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]



॥ अथ यद्विदुः सदायस्य साधनम् ॥ यथा यद्विदुः सदायस्य साधनम् ॥ यथा यद्विदुः सदायस्य साधनम् ॥ यथा यद्विदुः सदायस्य साधनम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्ण उवाच । दूतं त्वं प्रह्लादं श्रद्धावान्भक्त्यैव हि साधयेत् ।

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

[illegible][illegible][illegible]

पञ्चमः अध्यायः समाप्तः । अथ षष्ठः अध्यायः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीशक्तये नमः ॥ श्रीसूर्याय नमः ॥ श्रीचंद्राय नमः ॥ श्रीनक्षत्रादिदेवताय नमः ॥ श्रीपितृभ्यो नमः ॥ श्रीमहात्मनाय नमः ॥ श्रीमहात्मानामेवास्मिन् ॥ श्रीमहात्मानामेवास्मिन् ॥ श्रीमहात्मानामेवास्मिन् ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

प्राप्तः प्रत्यक्षः । विचारः च । तद्विषयः वास्तविकः सत्यः । अतः प्राप्तः प्रत्यक्षः ।

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[Faint handwritten notes at the bottom of the page, possibly bleed-through from the reverse side.]

॥ अथ शिवस्य स्तुतिः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

11/15/1911

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

三才圖會

[illegible]



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ ११० ॥

विष्णुसहस्रनाम

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

291

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ इति श्री भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीमहादेवाय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीहरिणे नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीलक्ष्मणे नमः ॥ श्रीसीतलाय नमः ॥ श्रीजयरात्रे नमः ॥ श्रीजयश्यामे नमः ॥ श्रीजयवर्मणे नमः ॥ श्रीजयदत्ताय नमः ॥ श्रीजयधर्माय नमः ॥ श्रीजयज्ञानाय नमः ॥ श्रीजययोगाय नमः ॥ श्रीजयसत्याय नमः ॥ श्रीजयदायाय नमः ॥ श्रीजयपूजाय नमः ॥ श्रीजयस्तुतिाय नमः ॥ श्रीजयशरणाय नमः ॥ श्रीजयप्रसादाय नमः ॥ श्रीजयकल्याणाय नमः ॥ श्रीजयमङ्गलाय नमः ॥ श्रीजयश्रीं नमः ॥

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
कायमेव संश्रित्य मामापशूनां द्रुपदमुपासीत ॥
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः कायमेव संश्रित्य
मामापशूनां द्रुपदमुपासीत ॥

...सदस्य...
...सदस्य...
...सदस्य...
...सदस्य...
...सदस्य...
...सदस्य...
...सदस्य...

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय । अथ यथा श्रद्धायाः प्रसादात् । तदा विदुषां ।
 ज्ञानेनैव । अथ यथा श्रद्धायाः प्रसादात् । तदा विदुषां । ज्ञानेनैव । अथ यथा
 श्रद्धायाः प्रसादात् । तदा विदुषां । ज्ञानेनैव । अथ यथा श्रद्धायाः प्रसादात् ।
 तदा विदुषां । ज्ञानेनैव । अथ यथा श्रद्धायाः प्रसादात् । तदा विदुषां । ज्ञानेनैव ।
 अथ यथा श्रद्धायाः प्रसादात् । तदा विदुषां । ज्ञानेनैव । अथ यथा श्रद्धायाः
 प्रसादात् । तदा विदुषां । ज्ञानेनैव । अथ यथा श्रद्धायाः प्रसादात् । तदा विदुषां ।
 ज्ञानेनैव । अथ यथा श्रद्धायाः प्रसादात् । तदा विदुषां । ज्ञानेनैव । अथ यथा
 श्रद्धायाः प्रसादात् । तदा विदुषां । ज्ञानेनैव । अथ यथा श्रद्धायाः प्रसादात् ।

291

[illegible][illegible]

ॐ ह्रीं क्लीं ध्यायेत् । मन्त्रः सर्वपापहर्षः । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint, mostly illegible handwritten Devanagari script across the bottom section.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तु मे शिष्यः ।
द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
काशिराजस्यैव कलियुगे मामकाय पाण्डवराजः ।
बभूवुध्वा विभीषणश्च द्रोणश्च भीमः धर्मपरायणम् ।
अहम् । इति वक्त्वान्निर्याताः सर्वे प्राणिनाः समाः ।
सर्वत्र त्वं पश्यसि महाबाहो द्रुपदः सार्वभौमिकम् ।
इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

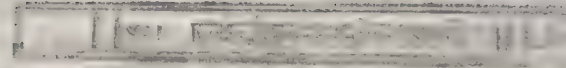
[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]



8/11



॥ अथ भक्तियोगः ॥

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

[illegible][illegible][illegible]

THE

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

10-11-1944



अथ
अथ
अथ
अथ

॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

155

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

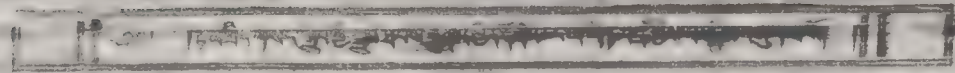
[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । दशकपाद्यपदानां प्रथमादिकानां पदानां च सप्तविंशतिः । अष्टादशतित्वात्पञ्चमस्तु ।

देवदत्तः चण्डिका श्रुतिपात्रादभ्युपगच्छन् स्वयम्भूतकलाप्रकाशं पश्यन् तदा भूषणाद्यैर्लोकेश्वरस्य देवाय नमोस्तुत्युक्तं यथा

1031

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥
ॐ नमः शिवाय ॥



154

10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 8

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 पञ्चमस्तोत्रं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ २०१ ॥ प्रमाणित विवरण प्रमाणित कर प्रमाणित कर ॥ ॥

[illegible][illegible]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

अथ कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ अहं ह्यहं कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ अहं ह्यहं कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ २ ॥

अथ कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ अहं ह्यहं कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ अहं ह्यहं कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥

अथ कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ अहं ह्यहं कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ अहं ह्यहं कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥

अथ कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ अहं ह्यहं कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ अहं ह्यहं कुरुपुत्र उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

100

100

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is cursive and somewhat faded, suggesting it is an older document. The content appears to be a formal record or a legal document, possibly related to land or property, given the use of terms like 'पट्ट' (patt) and 'हक' (hak).

158

[Faint, illegible handwritten text]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादात् । अथ श्रीकृष्ण उवाच ।

[Faint handwritten text across the bottom margin]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

104

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten Indic script.]



1875

[The following text is extremely faded and largely illegible. It appears to be a collection of Sanskrit or Tibetan script arranged in horizontal lines across several rows.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥

॥ १०॥
॥ ११॥
॥ १२॥
॥ १३॥
॥ १४॥
॥ १५॥
॥ १६॥
॥ १७॥
॥ १८॥
॥ १९॥
॥ २०॥

॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥
॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥
॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥
॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥
॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥
॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥
॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥
॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥
॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥

177

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a collection of Sanskrit or Pali script arranged in approximately seven horizontal rows.)

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is arranged in multiple lines, with some entries appearing to be organized in columns or rows, possibly representing a list or a table of data. The script is dense and characteristic of traditional Indian writing.

[illegible]

[illegible]

152

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint handwritten Devanagari script]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1

འཕགས་པའི་ཡུལ་ལ་ཕོད་པའི་ལོ། རྟེན་འཛིན་པའི་ལོ།

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་མཛན་པ་ལྟར་ཡང་།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

५९५॥

1970年1月

1920

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

46-29-254-54-55-56-57-58-59-60-61-62-63-64-65-66-67-68-69-70-71-72-73-74-75-76-77-78-79-80-81-82-83-84-85-86-87-88-89-90-91-92-93-94-95-96-97-98-99-100-101-102-103-104-105-106-107-108-109-110-111-112-113-114-115-116-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-1043-1044-1045-1046-1047-1048-1049-1050-1051-1052-1053-1054-1055-1056-1057-1058-1059-1060-1061-1062-1063-1064-1065-1066-1067-1068-1

... (faint text) ...

卷之四

1870

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

संस्कृत-विद्यापीठ-मुद्रा

[Faint handwritten Devanagari script visible through the paper from the reverse side.]

[illegible]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[Faint handwritten Devanagari script across multiple lines, likely bleed-through from the reverse side.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script, possibly Indic or Chinese.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes in Devanagari script, likely a commentary or a list of items.

Handwritten text in Devanagari script, organized into several horizontal lines. The text appears to be a list or a series of entries, possibly related to a medical or scientific treatise. The script is somewhat faded and the ink is dark.

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of Sanskrit or Pali script.]

Results

KOZAK

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

INTERNATIONAL SYMPOSIUM

INTERVIEW SUBJECTS

12. 12. 1941

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1005411

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥

॥ अथ दशमस्कन्धः ॥

[illegible]

1. 6. 1954

100% Satisfaction Guaranteed!

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1924

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सन् मया ॥ द्रुपद उवाच ॥
 पांडवो ज्ञातिहर्त्राणां त्वं ह्यर्जुन शतानाम् ॥ वीर्यवान्
 क्षेमसाधयेषु त्वं प्रहस्य मां धिक्कुर्वत ॥ इति वक्रोदरो
 व्यूढस्तस्मात्त्वं बहिष्कृत्यार्जुन ॥ १ ॥ अथ श्रीभगवानुवाच ॥
 अहो भूतार्जुन ॥ त्वय्युद्धे दुर्योधनस्य ॥ आचार्यमुपसंगम्य
 राजा मेवमब्रवीत् ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विष्णुसहस्रनाम

विष्णुसहस्रनाम

विष्णुसहस्रनाम

विष्णुसहस्रनाम

विष्णुसहस्रनाम

विष्णुसहस्रनाम

विष्णुसहस्रनाम

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

12/1/2019 11:11:11 AM

[Faint, illegible handwritten text at the bottom of the page.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

99

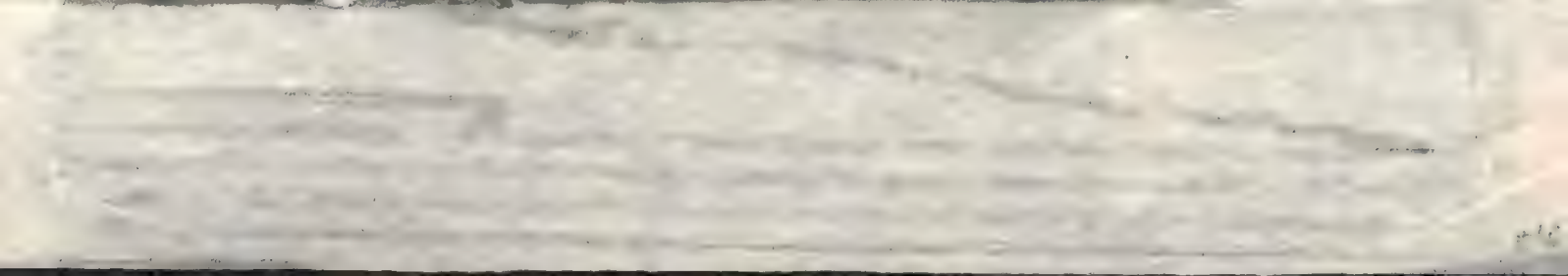
1955

संस्कृत-विश्वकोष-प्रकाशक-संस्थान-वाराणसी-२

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1994





Small, illegible text or markings at the bottom center of the page.



[Faint handwritten Devanagari script]

३२। यद्यप्यस्य । यद्यप्यस्य स्यात्तथा । यद्यप्यस्य स्यात्तथा । यद्यप्यस्य स्यात्तथा । यद्यप्यस्य स्यात्तथा । यद्यप्यस्य स्यात्तथा । यद्यप्यस्य स्यात्तथा ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

[Faint handwritten text across the bottom of the page]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1291

॥ दमोदरस्य दमोदरा ॥ दमोदरस्य दमोदरा ॥ दमोदरस्य दमोदरा ॥ दमोदरस्य दमोदरा ॥ दमोदरस्य दमोदरा ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible][illegible]

[Faint handwritten text across the top margin]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ६ ॥

[illegible]



卷之六

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

Копия издана в 1904 г.



卷之五

1840年

[Faint, illegible handwritten text]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1994

1914

五十五

五、

卷之六

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विदुः पश्यन् विदुः पश्यन् विदुः पश्यन् विदुः पश्यन् विदुः पश्यन्

संस्कृत-सहित-संग्रह-समाप्त

18405943 500-274-1111

卷之三

॥ यथा यथा यथा यथा यथा यथा यथा यथा यथा यथा ॥

卷之四

विष्णुसहस्रनाम ३०००

1950年12月15日

महाराष्ट्र राज्य सरकार

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to consist of several horizontal rows of handwritten or printed script.)

॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ २ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ३ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

29

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

五十五

(Faint handwritten text in Devanagari script)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीसत्त्वैभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥

[illegible]



मन्त्रः सर्वभूतहिते रतः । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीपूज्याय नमः ॥ श्रीशिष्याय नमः ॥ श्रीमाताय नमः ॥ श्रीपिताय नमः ॥ श्रीस्वामीनाय नमः ॥ श्रीब्रह्मणे नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीशिवे नमः ॥ श्रीनारायणे नमः ॥ श्रीहरिणे नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीलक्ष्मणे नमः ॥ श्रीसीतले नमः ॥ श्रीजयरात्रये नमः ॥ श्रीजयशंकराय नमः ॥ श्रीजयधर्मरात्रये नमः ॥ श्रीजयचक्रपादके नमः ॥ श्रीजयवन्द्यारूपे नमः ॥ श्रीजयवन्द्यारूपे नमः ॥ श्रीजयवन्द्यारूपे नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ पठ्यमानं भूयः संतापयन्तः सत्त्वम् अस्माकं तद्विभक्त्या ॥

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom of the page]

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

1981-1982

[illegible]

59

[illegible][illegible]

मन्त्रः सर्वान्तर्यामी । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint handwritten Devanagari script]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom of the page]

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

174

[illegible]

[illegible]

新

591

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सर्वज्ञानमयं सर्वोत्तमं त्रैलोक्ये न विद्यते धनं ।
पुण्यं शिवं महादेवं नित्यं ज्ञातुं हृदये ॥

陳子昂

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

1992

महाराष्ट्र राज्य सरकार, नवी मुंबई, महाराष्ट्र

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सत्यमेव जयते

सिद्धिगणेशाय नमः

सुगन्धकः सुगन्धकः सुगन्धकः

(Faint, illegible text)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुस्तक संख्या १०८५

[illegible]

गणपतिाय नमः

अथ यथा तद्वत्

1950

1953年12月

॥ अथ श्रीगणेशोत्थानम् ॥

सर्वदेवतासु सर्वदेवतासु सर्वदेवतासु

॥ पञ्चमस्कन्धः ॥

一、

[Faint, illegible handwritten notes]

10A

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

120A

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

॥ ॐ

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १० ॥

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपद उवाच ।
 भीमार्जुन सन्नाम्य ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवाः ।
 मामका पांडवाश्चैव
 किमकुर्वत संजय ।

[illegible]

11221

॥ ३८५ ॥ श्रीगुरुदेवस्य सत्कर्मस्य सदाशिवस्य ॥

गङ्गाधरदासः तद्वत्तु गङ्गाधरदासः तद्वत्तु गङ्गाधरदासः तद्वत्तु गङ्गाधरदासः तद्वत्तु

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐུ་ལོ་

विष्णुवर्मनमठे विष्णुसम्पत्तयः पञ्चदश। तत्रैकं चन्द्रिकापरमाण्वन्तरा। त्रयोविंशतिरक्षराणि स्यान्त्यस्य। तत्रैकं चन्द्रिकापरमाण्वन्तरा। त्रयोविंशतिरक्षराणि स्यान्त्यस्य।

১৯৩৭ খ্রিঃ
 ১০/১১/৩৭
 ১২/১৩/৩৭
 ১৪/১৫/৩৭
 ১৬/১৭/৩৭
 ১৮/১৯/৩৭
 ২০/২১/৩৭
 ২২/২৩/৩৭
 ২৪/২৫/৩৭
 ২৬/২৭/৩৭
 ২৮/২৯/৩৭
 ৩০/৩১/৩৭

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[Faint, illegible handwritten text]

中華民國二十二年一月一日

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

अथ कुरुपुत्र ! त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु । त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु । त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु ।

अथ कुरुपुत्र ! त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु । त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु । त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु ।

अथ कुरुपुत्र ! त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु । त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु । त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु ।

अथ कुरुपुत्र ! त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु । त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु । त्वं शक्यः सर्वपापेभ्यः परमं पुण्यं कुरु ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

291

[illegible]

॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके अष्टादशोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वागुच्यते वा ॥ तत्सर्वं ब्रह्मसंज्ञकम् ॥ यत्किंचिदप्युच्यते वागुच्यते वा ॥ तत्सर्वं ब्रह्मसंज्ञकम् ॥

[illegible]

कृष्णदत्तलक्ष्मणकृतसप्तपञ्चशतनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

30

[illegible]

15A

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ २ ॥

अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ३ ॥

अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ४ ॥

अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ५ ॥

अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ६ ॥

[illegible]

921

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीपूज्याय नमः ॥ श्रीशिष्याय नमः ॥ श्रीसाध्वीनाय नमः ॥ श्रीयोगिन्याय नमः ॥ श्रीज्ञानिन्याय नमः ॥ श्रीभक्त्याय नमः ॥ श्रीरागाय नमः ॥ श्रीदशाग्र्याय नमः ॥ श्रीचक्राग्र्याय नमः ॥ श्रीत्रिकुलाग्र्याय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीहरिर्नामस्मृतं कुरुते ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीपूज्याय नमः ॥ श्रीशिष्याय नमः ॥ श्रीसाध्वीनाय नमः ॥ श्रीयोगिन्याय नमः ॥ श्रीज्ञानिन्याय नमः ॥ श्रीभक्त्याय नमः ॥ श्रीरागाय नमः ॥ श्रीदशाग्र्याय नमः ॥ श्रीचक्राग्र्याय नमः ॥ श्रीत्रिकुलाग्र्याय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीहरिर्नामस्मृतं कुरुते ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1955年4月25日

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

507

[illegible]

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥ शिवोऽयमव्ययः सर्वभूतेश्वरः सर्वगतः सर्वशक्तिमान् सर्वकृत् सर्वविद् सर्वस्वः सर्वलोकेश्वरः सर्वदाम्निष्ठः सर्वधर्मपतिः सर्वभूतहितैश्वरः सर्वभूतानन्दः सर्वभूतारम्भः सर्वभूतार्णवः सर्वभूतारुहः सर्वभूतारुणः सर्वभूतारुद्रः सर्वभूतारुण्डः सर्वभूतारुण्डः सर्वभूतारुण्डः सर्वभूतारुण्डः

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

~~ॐ नमो भगवते वासुदेवाय~~

1996

[illegible]

[illegible]

11/21/2014

[illegible]

7.5

211

1931 12.20.31 12.20.31 12.20.31 12.20.31 12.20.31
12.20.31 12.20.31 12.20.31 12.20.31 12.20.31 12.20.31

2020

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

206

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच । पापं कुरुष्व मे न प्रहृष्टः ।
 शूरा मया हतानि क्षेमो मे न संशयः ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सदा ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रे वा देवप्रदत्तमादमकृतसंकलनं प्रथमः पद्यः

देवपुत्राय नमः ॥ १ ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

東坡先生詩集卷之五

1997

[The text in this image is extremely faint and illegible due to extreme blurring. It appears to be a single line of handwritten text.]

1/1
2/1
3/1
4/1
5/1
6/1
7/1
8/1
9/1
10/1

1/1
2/1
3/1
4/1
5/1
6/1
7/1
8/1
9/1
10/1

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

10
21
22

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

159

महाराष्ट्र राज्य सरकार
मुंबई

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

प्राप्तवान्कृतं यत्प्रमाणम् तद्विषयस्य प्रमाणम् । अथवा । सुखमस्ति यत्तुल्यं दुःखमस्ति यत्तुल्यं । अथवा । सुखमस्ति यत्तुल्यं दुःखमस्ति यत्तुल्यं ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥

॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥

॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥

॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥

॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥ यदा यदा धर्मो नश्यति ॥ पुनरुत्थयिष्यामि तं धर्मम् ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके श्रीकृष्णार्जसंवादे श्रीअर्जुनसंहितायां अध्यायः पञ्चविंशोऽध्यायः ॥

अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ २ ॥ भव्यं द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes in Devanagari script, likely commentary or corrections.

...देवस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...
...यमस्यैव यमस्य...

[illegible]

Vertical text on the left margin, likely a commentary or index.

103
[The text is written in a highly stylized, cursive script, likely a form of Devanagari or a related Indic script. It appears to be a religious or philosophical text, possibly a sutra or a commentary. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The first line begins with a bracketed number '103'. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language and script. The text is enclosed in a rectangular border.]

103

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

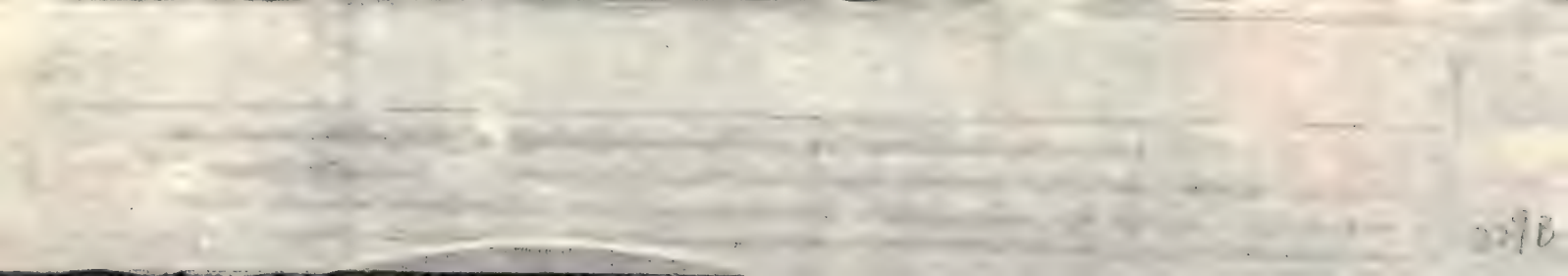
Handwritten text in a rectangular box, likely a signature or title, possibly in Urdu or Persian script.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and bleed-through from the reverse side.]



129114-13

234

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten text.)

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
 अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥ १८ ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

755A

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related classical language. The ink is dark, and the paper shows signs of age and wear.

। मङ्गलं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भगवत्पञ्चमोऽध्यायः ॥

अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥

प्रवक्ष्यामि ते वीर्यवान् ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे

समवेता युयुत्सवे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे

समवेता युयुत्सवे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे

समवेता युयुत्सवे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blurriness. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]



卷之四

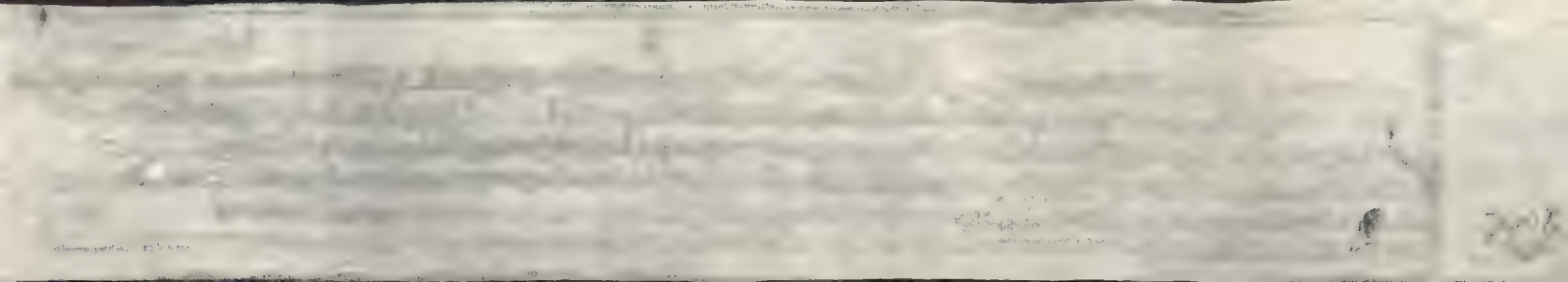
[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]



[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...वसुधैव कुटुम्बकम्...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...
...सर्वमन्त्रं सर्वभूतानां...

151

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादात् ।
 अथ श्रीभगवानुवाच ।
 द्रष्टव्यं तद्वै धर्मं ज्ञानाद्ब्रह्मणो यदा ।
 प्रजापतिस्तस्मात्तन्मया ब्रह्मणो मेव ।
 अथर्ववेदोऽयं विष्णुर्धामोदनात्मकः ।
 स्यात्तस्मात्तन्मया ब्रह्मणो मेव ।
 अथर्ववेदोऽयं विष्णुर्धामोदनात्मकः ।
 स्यात्तस्मात्तन्मया ब्रह्मणो मेव ।

[illegible]

299

[illegible]

राधा कृष्ण मन्त्रः ॥ राधा कृष्ण मन्त्रः ॥ राधा कृष्ण मन्त्रः ॥ राधा कृष्ण मन्त्रः ॥ राधा कृष्ण मन्त्रः ॥

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom of the page]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[Faint, illegible handwritten text across the bottom of the page.]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous Sanskrit passage.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । कृष्णं चैकान्त्येन ध्यायेत् । तदा विनाशाय सारथी बभूव ।
 इति श्रीमद्भागवतपुराणे अष्टमस्कन्धे शेषः ।

॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

6A

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

265B

संस्कृत-विद्यापीठ, मुंबई

(The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ...

[Faint, illegible handwritten text]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ २३१ ॥

॥ ह्येवमवशमस्य सप्तमस्य सप्तमस्य सप्तमस्य सप्तमस्य सप्तमस्य ॥

...
...
...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः शरीरमुत्तारयन्निवेद्य
हस्तैश्च संलब्ध्वा त्रिशूलं धनुश्चक्रं च ।
बभूवुः प्रहाराणां कुरुक्षेत्रे महामतीनाम् ।
अत्रास्मिन्नेव स्थले मया द्रुपदो वीर्यवान् ।
उवाच । त्वं हि युधिष्ठिर ! कुतश्चास्ति मे हृदि
विषमं भावं विन्दामि । त्वं हि ज्ञास्यसे मे सत्यम् ।
अत्रास्मिन्नेव स्थले मया द्रुपदो वीर्यवान् ।
उवाच । त्वं हि युधिष्ठिर ! कुतश्चास्ति मे हृदि
विषमं भावं विन्दामि । त्वं हि ज्ञास्यसे मे सत्यम् ।

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be handwritten script in Devanagari.]

[illegible]

272A

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is somewhat faded and the ink is dark. The page is framed by a simple border. The text appears to be a mix of prose and possibly some verse or specific terminology, given the use of certain characters like 'ॐ' (Om) and 'ॐ' (Om).

231A

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

पञ्चमः अङ्कः । पञ्चमः अङ्कः । पञ्चमः अङ्कः । पञ्चमः अङ्कः । पञ्चमः अङ्कः ।

॥ अथ पञ्चांगकं यथा दृष्टान्तमस्मात्प्रसिद्धम् ॥

... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

[Faint, illegible handwritten text]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

53

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and scan quality.]

[illegible]

Handwritten text in the left margin, likely a library or collection identifier.

Handwritten text in the main body of the page, consisting of several lines of script.

26A

206B

100

॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥

231A

[illegible]

100
101
102

100। अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः।
अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः।
अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः।
अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः।
अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः।
अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः।
अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः। अथैव परमपुत्रकामः।

200

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥
... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ... ॥

[Faint handwritten text in Tibetan script]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५५

५५

५५

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

29
29
29

ॐ । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।
ॐ । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।

[illegible]

394A

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring.]

23

24

25

Handwritten text in Devanagari script, organized into approximately 10 horizontal lines. The text is written in a cursive style and includes several vertical lines of text on the left side, likely serving as a table of contents or index. The text is somewhat faded and contains some ink blots.

23A

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

286

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header.

Handwritten text on the left side, first line.

Handwritten text on the right side, first line.

Handwritten text on the left side, second line.

Handwritten text on the right side, second line.



॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and damage. It appears to be a series of Sanskrit or Hindi script lines.]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥
अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥
अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥
अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥
अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥